कला, विज्ञान, वाणिज्य एवं बी.एड. संकायों की नैक (B^{++}) प्रत्यायित संस्था

दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:अप्रैल-2026

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in **Helpline Email** : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com **Contact Number** : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:अप्रैल-2026

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह

प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

डॉ. सुभाष चन्द्र

संयोजक

डॉ. विभा सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति

डॉ. प्रियंका सिंह

सदस्य

सम्पादक समिति

श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव

तकनीकी सहायक

April-2026

कार्यक्रम-विवरण

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1	01.04.2026 बुधवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	एकेडमिक ऑडिट सम्पन्न	1
2	01.04.2026 बुधवार	रोवर्स/रेंजर्स	पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का सफल समापन	2
3	02.04.2026 वृहस्पतिवार	राजनीति विज्ञान विभाग	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने द्वितीय वर्ष के सीनियर छात्रों के लिए एक यादगार विदाई समारोह	3
4	03.04.2026 शुक्रवार	गणित विभाग	बी.एस.सी. तथा एम.एस.सी. द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों की विदाई समारोह	4
5	04.04.2026 शनिवार	महाविद्यालय	पुरातन छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन	5–6
6	06.04.2026 सोमवार	महाविद्यालय	मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा डॉ. टी.पी. शाही आधुनिक कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र का उद्घाटन	6–7
7	07.04.2026 मंगलवार	प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग	अभिनंदन एवं विदाई समारोह	7–8
8	07.04.2026 मंगलवार	शिक्षाशास्त्र विभाग	विदाई समारोह	8
9	08.04.2026 बुधवार	वाणिज्य विभाग	विदाई समारोह का आयोजन	9
10	08.04.2026 बुधवार	भूगोल विभाग	स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन	10
11	08.04.2026 बुधवार	राजनीति विज्ञान विभाग	एकेडमिक ऑडिट संपन्न	10–11
12	16.04.2026 वृहस्पतिवार	महाविद्यालय	पुरातन छात्र का चयन	11
13	22.04.2026 बुधवार	आई.क्यू.ए.सी.व वनस्पति विज्ञान	विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम	12

April-2026

शिक्षाशास्त्र विभाग का एकेडमिक ऑडिट सम्पन्न

दिनांक 01.04.2026 को दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन एवं मूल्यांकन के उद्देश्य से एकेडमिक ऑडिट का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जे.बी. महाजन डिग्री कॉलेज, चौरी चौरा, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. लक्ष्मण सिंह विषय विशेषज्ञ एवं निरीक्षक के रूप में विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, पाठ्यक्रम संचालन, शिक्षण विधियों तथा मूल्यांकन प्रणाली का सूक्ष्म निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अभिलेखों, शिक्षण योजनाओं एवं विद्यार्थियों की उपलब्धियों का गहन अध्ययन करते हुए आवश्यक सुझाव प्रदान किया और अपने संबोधन में उन्होंने गुणवत्ता आधारित शिक्षा, नवाचार पूर्ण शिक्षण पद्धतियों तथा निरंतर मूल्यांकन की आवश्यकता पर बल दिया। उनके मार्गदर्शन से विभाग को शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए।

April-2026

रोवर्स/रेंजर्स के पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का सफल समापन

दिनांक 01.04.2026 को महाविद्यालय में आयोजित रोवर्स/रेंजर्स के पांच दिवसीय निपुण जांच शिविर का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के रुप में महाविद्यालय के मुख्य नियंता डॉ. आर. पी.यादव उपस्थित रहें। कार्यक्रम की शुरुआत में सबसे पहले मंचासीन अतिथियों को स्काउट गाइड संस्था द्वारा स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा विद्यार्थियों द्वारा तैयार किये गये टेण्ट का निरीक्षण किया गया। अपने उद्बोधन में प्राचार्य जी ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिविर विद्यार्थियों को अभाव में जीवन जीने की कला सिखाते हैं। सीमित संसाधनों में कार्य करना, आपदा प्रबंधन, आत्मअनुशासन तथा राष्ट्रीय एकता की भावना जैसे महत्वपूर्ण गुण रोवर्स/रेंजर्स के माध्यम से विकसित होते हैं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए महाविद्यालय के रोवर लीडर डॉ. संजीत कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से आत्मानुशासन, सहयोग, प्रेम एवं सद्भावना का विकास होता है। इस शिविर का संचालन सुश्री सेजल साहनी एवं श्री शिव कुमार ने प्रशिक्षकों के रूप में किया।

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के द्वारा द्वितीय वर्ष के सीनियर छात्रों के लिए एक यादगार विदाई समारोह

दिनांक 02.04.2026 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने द्वितीय वर्ष के सीनियर छात्रों के लिए एक यादगार विदाई समारोह का भव्य आयोजन पुस्तकालय हाल में किया। यह कार्यक्रम छात्रों के बीच सौहार्द, सहयोग और शैक्षणिक उत्साह का प्रतीक सिद्ध हुआ, जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भावपूर्ण संदेशों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विभाग प्रभारी डॉ. इंद्रेश पाण्डेय ने भी अपने आशीर्वादपूर्ण संदेश से छात्रों को जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता की कामना की तथा जूनियर्स को सीनियर्स से सीखने का संदेश दिया।

गणित संवर्ग में बी.एस.सी. तथा एम.एस.सी. द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों विदाई समारोह

दिनांक 03.04.2026 को महाविद्यालय के गणित संवर्ग में बी.एस. सी. तथा एम.एस.सी. द्वितीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने द्वितीय वर्ष तथा छठवें सेमेस्टर के सीनियर छात्रों के लिए एक यादगार विदाई समारोह का भव्य आयोजन पुस्तकालय हाल में किया। यह कार्यक्रम छात्रों के बीच सौहार्द, सहयोग और शैक्षणिक उत्साह का प्रतीक सिद्ध हुआ। जिसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और भावपूर्ण संदेशों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित करते हुए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

April

महाविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन

दिनांक 4 अप्रैल, 2026 को महाविद्यालय में पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश–प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्र–छात्राओं ने सहभागिता कर अपने छात्र जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा महाविद्यालय द्वारा दिए गए संस्कारों और मूल्यों को साझा किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजवंत राव, पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थे। उन्होने अपने सम्बोधन में जीवन मूल्यों, भारतीय ज्ञान परंपरा और कर्मनिष्ठा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर निष्ठा, धैर्य और समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर राजेश मल्ल, हिन्दी विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय थे। उन्होने अपने संबोधन में छात्र जीवन की स्मृतियों को भावुकता के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि अपने ही शैक्षणिक परिसर में आयोजित ऐसे कार्यक्रम व्यक्ति को उसके अतीत से जोड़ते हैं और उन सुनहरे पलों को पुनः जीवंत कर देते हैं। **विशिष्ट अतिथि डॉ. अमरनाथ सहयुक्त आचार्य, बी.आर.डी.पी.जी. कालेज, देवरिया** ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पुरातन छात्र सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं और स्मृतियों का संगम होता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्रीकृष्ण सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जीवन में अनुशासन और निरंतर परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन में परिस्थितियां, सामाजिक व्यवस्थाएं और राजनीतिक परिवेश समय–समय पर बदलते रहते हैं, लेकिन उसके कर्म और संस्कार स्थायी होते हैं।

कार्यक्रम के अंत में **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने आभार ज्ञापन** प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों, पुरातन छात्र–छात्राओं एवं उपस्थित जनों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डॉ. टी.पी. शाही आधुनिक कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र का उद्घाटन

दिनांक 6 अप्रैल, 2026 को महाविद्यालय एवं डॉ. तेज प्रताप शाही मेमोरियल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्थापित अत्याधुनिक टी.पी. शाही कंप्यूटर लैब एवं शोध केंद्र का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा किया गया। यह आयोजन स्वर्गीय डॉ. तेज प्रताप शाही जी की पुण्यस्मृति में उनके सुपुत्र श्री अनन्य प्रताप शाही द्वारा किया गया। यह सराहनीय पहल का प्रतीक है, जो शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. शाही दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज के प्राचीन इतिहास विभाग के समर्पित शिक्षक एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के सम्मानित सदस्य रहे। उनका सम्पूर्ण जीवन शिक्षा, संस्कार एवं समाज सेवा के

आदर्श मूल्यों को समर्पित रहा। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वर्गीय डॉ. टी.पी. शाही की पुण्य स्मृति को नमन किया तथा उनके योगदान पर गहन चर्चा की। उन्होंने कहा, स्वर्गीय डॉ. टी.पी. शाही इस महाविद्यालय परिवार के एक वरिष्ठ सदस्य थे, जिन्होंने लंबे समय तक अपनी अमूल्य सेवाएं प्रदान कीं। मा0 मुख्यमंत्री जी ने डॉ. शाही के राजनीतिक एवं सामाजिक योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जब वे गोरक्षपीठ के सक्रिय सदस्य होते हुए कांग्रेस से जुड़े थे, तब भी उन्होंने कांग्रेस एवं गोरक्षपीठ के बीच समन्वय बनाए रखा, जो अलग–अलग ध्रुव होने के बावजूद एकजुटता का प्रतीक था। राजनीति के साथ–साथ शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में भी उनकी विशेष पकड़ थी। योगी जी ने आधुनिक तकनीक पर जोर देते हुए कहा, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आपके कार्यों को सुगम बना सकता है और यह सुविधा इस लैब में आसानी से उपलब्ध होगी। विद्यार्थी इसका लाभ उठाकर अपने करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकेंगे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने आभार ज्ञापन करते हुए संस्थान की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में महाविद्यालय विकास की राह पर तेजी से अग्रसर है।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा अभिनंदन एवं विदाई समारोह

दिनांक 07.04.2026 को महाविद्यालय, के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा परास्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के अभिनंदन एवं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्राचार्य प्रो.(डॉ) ओम प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि "आगमन एवं विगमन एक सेतु है", जो जीवन के विभिन्न पड़ावों को जोड़ते हुए हमें

निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। **समाजशास्त्र की प्रभारी एवं महाविद्यालय की सांस्कृतिक समिति की संयोजिका प्रो. अर्चना सिंह ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि** शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की सतत प्रक्रिया है।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

दिनांक 07 अप्रैल, 2026 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और समय के साथ इसका स्वरूप बदलता रहता है।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रोफेसर अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखते हैं।

April

वाणिज्य विभाग के द्वारा विदाई समारोह का आयोजन

दिनांक 08.04.2026 को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के द्वारा बी.कॉम एवं एम.कॉम प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का स्वागत तथा बी.कॉम एवं एम.कॉम द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन में सफल होने के लिए हमें प्रत्येक कार्य को योजना बनाकर करना चाहिए। बिना योजना के किया गया कार्य अक्सर असफल हो जाता है। एक अच्छी योजना हमें सही दिशा देती है और समय का सही उपयोग सिखाती है। कार्यक्रम में बी.कॉम एवं एम.कॉम प्रथम वर्ष के मिस्टर फ्रेशर अनुष्ठान उपाध्याय और रमेश मिश्रा तथा मिस फ्रेशर अंजू निषाद और श्रेया पाण्डेय तथा बी.काम एवं एम.काम अन्तिम वर्ष के मिस्टर फेयरवेल अभिषेक प्रजापति और सत्यव्रत विश्वकर्मा और मिस फेयरवेल ज्योति कुमारी एवं नव्या सिंह को चुना गया।

April-2026

भूगोल विभाग द्वारा स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन

दिनांक 08.04.2026 को महाविद्यालय के संवाद कक्ष में भूगोल विभाग द्वारा स्वागत एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के यशस्वी एवं ऊर्जावान प्राचार्य प्रोफेसर ओम प्रकाश सिंह जी ने किया। इस अवसर पर अपने आशीर्वाद उद्बोधन में प्राचार्य जी ने कहा कि आत्मानुशासन एवं लक्ष्य केन्द्रित अध्ययन से ही सफलता मिलेगी। क्योंकि वर्तमान समय में आप को सफलता से रोकने और लक्ष्य से भटकाने के लिए अनेक अवसर एवं साधन उपलब्ध है लेकिन हमारे विद्यार्थी सभी अवरोधों को पार करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और महाविद्यालय तथा विभाग का नाम रोशन करेंगे।

राजनीतिक विज्ञान विभाग का एकेडमिक ऑडिट संपन्न

दिनांक 08.04.2026 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन एवं मूल्यांकन के उद्देश्य से एकेडमिक ऑडिट का आयोजन किया गया। यह ऑडिट महाविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, पाठ्यक्रम क्रियान्वयन और छात्र मूल्यांकन के मानकों का विस्तृत अवलोकन प्रदान करने वाला रहा। **दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. महेंद्र कुमार सिंह** ने ऑडिटर के रूप में विभाग की कक्षाओं, पाठ्यक्रम क्रियान्वयन, शिक्षण पद्धतियों और छात्र

मूल्यांकन प्रक्रिया की गहन समीक्षा की। उन्होंने व्याख्यान, चर्चा, प्रोजेक्ट वर्क की गुणवत्ता, छात्रों की भागीदारी, और परीक्षा एवं मूल्यांकन प्रक्रिया की निष्पक्षता का विशेष निरीक्षण किया।

ऑडिट में विभागीय कार्यप्रणाली के समयबद्ध पालन, रिकॉर्डिंग सिस्टम, शोध कार्यों की प्रगति, सेमिनार–कार्यशालाओं का आयोजन और सहभागिता का विस्तृत अवलोकन किया गया। इसके अतिरिक्त, शोध पत्र प्रकाशन, छात्र परियोजनाओं, पुस्तकालय संसाधनों, और डिजिटल शिक्षण उपकरण जैसे स्मार्ट क्लासरूम, प्रोजेक्टर और इंटरनेट कनेक्टिविटी की वास्तविक उपयोगिता की भी समीक्षा की गई। रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि विभाग की अधिकांश गतिविधियाँ विश्वविद्यालय मानकों के अनुरूप हैं। छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ, परीक्षा परिणाम और प्लेसमेंट रिकॉर्ड प्रभावशाली पाए गए। प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह को सौंपी गई रिपोर्ट में ऑडिटर ने सकारात्मक पक्षों की प्रशंसा के साथ व्यावहारिक सुझाव भी दिए।

महाविद्यालय के पुरातन छात्र का चयन

दिनांक 16.04.2026 को महाविद्यालय के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय रहा है कि महाविद्यालय के मेधावी पुरातन छात्र अष्टभुजा त्रिपाठी, निवासी–मनीराम, गोरखपुर का चयन उत्तर प्रदेश सचिवालय में समीक्षा अधिकारी के प्रतिष्ठित पद पर हुआ है। अष्टभुजा त्रिपाठी ने दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर से बी.एससी. एवं बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की और अपने अध्ययन काल में सदैव उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक मेधावी छात्र के रूप में अपनी पहचान बनाई।

उल्लेखनीय है कि उनके बड़े भाई संतोष त्रिपाठी महाविद्यालय में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, जिससे यह उपलब्धि महाविद्यालय परिवार के लिए और भी विशेष एवं गर्वपूर्ण बन जाती है। **इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने अष्टभुजा त्रिपाठी एवं उनके परिवार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि** यह हमारे महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है।

April-2026

विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम

दिनांक 22.04.2026 को विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. अवनीश, महात्मा गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय थे।

मुख्य वक्ता प्रो. अवनीश ने अपने विस्तृत उद्बोधन में पृथ्वी संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरणीय संकट वैश्विक चिंता का विषय बन चुका है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के ह्रास, वनों की कटाई तथा प्रदूषण जैसी समस्याओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की। **कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि** पृथ्वी केवल संसाधनों का स्रोत नहीं, बल्कि समस्त जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मानव गतिविधियों के कारण पर्यावरण पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन प्रभावित हो रहा है।

कार्यक्रम का संचालन एवं अतिथि सहित सभी का स्वागत प्रो. परीक्षित सिंह, समन्वयक आई.क्यू.ए.सी एवं आचार्य वनस्पति विज्ञान द्वारा किया गया। अपने प्रस्ताविकी वक्तव्य में उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि पृथ्वी दिवस मनाने का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि व्यवहार में परिवर्तन लाना भी है।

April-2026